दैनिक भास्कर, भोपाल, रविवार, 26 अक्टूबर, 2025

बड़ी उपलब्धि अर्जुन वास्कले ने जीता गोल्ड

अकादमी के 3 खिलाड़ी उतरे, दो ने जीते गोल्ड, एक धावक चूका

स्पोर्ट्स रिपोर्टर • भोपाल

मप्र एथलेटिक्स अकादमी भोपाल के तीन धावक साउथ एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप रांची में उतरे। जिनमें से दो ने गोल्ड जीते। एक एथलीट मेडल जीतते-जीतते चूक गया। रांची में आयोजित इस टूर्नामेंट में मप्र अकादमी टीटी नगर स्टेडियम भोपाल के एथलीट अर्जुन वास्कले ने गोल्ड जीता है। यह गोल्ड उन्होंने 1500 मीटर रेस में जीता है। टूर्नामेंट में उन्होंने 3.54.58 मिनट का समय निकालकर सबको पीछे छोड़ा है। इससे एक दिन पहले अकादमी के समरदीप सिंह ने शाटपुट में देश को गोल्ड दिलाया था। इस तरह मप्र के खिलाड़ियों ने देश की मेडल टैली में दो गोल्ड का योगदान दिया। 1500 मीटर के सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल श्रीलंका के नाम रहे। सिल्वर गालाज रुसिरुचथ ने जीता। वे 3:55.12 मिनट का समय निकाल पाए। जबकि श्रीलंका के ही एक अन्य एथलीट रोजीदीन मोहामथू 3:55.95 मिनट के साथ ब्रॉन्ज जीत पाए। अर्जुन वास्कले टीटी नगर स्टेडियम भोपाल में कोच एसके प्रसाद से इस खेल की ट्रेनिंग ले रहे हैं। बता दें कि मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के पूर्व प्लेयर सुनील डाबर भी 1500 मीटर में दौड़ रहे थे। लेकिन वे श्रीलंकाई एथलीट से टकराने के कारण डिस्क्वालीफाई हो गए। वे अर्जुन के करीब ही चल रहे थे। सुनील डाबर पिछले दिनों जॉब के चलते मध्यप्रदेश छोड़कर नेवी चले गए। वे इस टूर्नामेंट नेवी का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। कोच एसके प्रसाद ने बताया कि टूर्नामेंट में मप्र का परफार्मेंस बेहतरीन रहा है। हमारे 3 खिलाड़ी उतरे और दो ने गोल्ड जीते।

अर्जुन कोच एसके प्रसाद के साथ।

नवदुनिया
भोपाल, रविवार, 26 अक्टूबर, 2025

मप्र के अर्जुन वास्कले ने 1500 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण पदक

प्रतियोगिता ● चौथी साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश के प्रतिभाशाली धावक अर्जुन वास्कले ने रांची में आयोजित हो रही चौथी साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता है। अर्जुन ने यह दौड़ 3:54.58 सेकंड में पूरी की है। वहीं मप्र के ही सुनील डावर फाइनल दौड़ में डिस्क्वालीफाई हो गए और आठवें स्थान पर रहे। एक दिन पहले समरदीप सिंह ने शाटपुट में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया था। मप्र राज्य एथलेटिक्स अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक एसके प्रसाद ने बताया कि अर्जुन ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले चेन्नई में अगस्त में आयोजित नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। अर्जुन इस समय एसके प्रसाद के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 एशियन गेम्स की तैयारी में जुटे हैं। मप्र के चार एथलीट इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं। इसमें से दो ने स्वर्ण पदक जीत लिए हैं। अब 400 मी. दौड़ में मोहम्मद राशिद से उम्मीद है। राशिद सीआइएसएफ में कार्यरत हैं।

समरदीप सिंह अपने प्रशिक्षक संदीप सिंह के साथ। ● सौजन्य

अर्जुन वास्कले के साथ प्रशिक्षक एसके प्रसाद। ● सौजन्य

हरिभूमि

चौथी साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप

रांची में चमके मप्र के अर्जुन 1500 मीटर दौड़ में जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रांची में 24 से 26 अक्टूबर तक आयोजित चौथी साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल के प्रतिभाशाली धावक अर्जुन वास्कले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3:54.58 सेकंड के समय के साथ 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।

अर्जुन ने शुरू से ही अपनी रफ्तार बनाए रखी और फिनिश लाइन पार करते हुए भारतीय दल के लिए गोल्ड मेडल सुनिश्चित किया। यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है।

प्रतियोगिता के परिणाम

1500 मीटर दौड़ में शुरुआत से ही जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। ट्रैक पर भारत, श्रीलंका, नेपाल और भूटान के धावकों के बीच कड़ी टक्कर रही। जैसे-जैसे दौड़ अपने अंतिम चरण में पहुंची, मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल के अर्जुन वास्कले ने अपनी गति बढ़ाई और शानदार अंदाज में 3 मिनट 54.58 सेकंड के समय के साथ सबसे पहले फिनिश लाइन पार की, भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। उनके पीछे श्रीलंका के गल्लागे रुसीरु चथ ने 3:55.12 सेकंड में रजत पदक हासिल किया, जबकि उनके ही साथी रोजिदीन मोहामथु ने 3:55.95 सेकंड में कांस्य पदक अपने नाम किया। इस रोमांचक मुकाबले में अर्जुन की रणनीतिक रफ्तार और अंतिम लैप में दिखाई गई दमदार स्प्रिंट ने दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इन खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

स्वर्ण पदक: अर्जुन वास्कले (भारत) - 3:54.58 सेकंड
रजत पदक: गल्लागे रुसीरु चथ (श्रीलंका) - 3:55.12 सेकंड
कांस्य पदक: रोजिदीन मोहामथु (श्रीलंका) - 3:55.95 सेकंड

खेल मंत्री सारंग ने दी बधाई

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने अर्जुन वास्कले को स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई देते हुए कहा कि अर्जुन ने अपने समर्पण और मेहनत से यह साबित किया है कि मध्यप्रदेश की नई पीढ़ी के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उनका यह प्रदर्शन प्रदेश के सभी युवा खिलाड़ियों के लिए

समरदीप ने शॉट पुट में जीता स्वर्ण पदक

भोपाल। रांची में 24 से 26 अक्टूबर तक आयोजित चौथी साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल के स्टार शॉट पुटर समरदीप सिंह गिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19.59 मीटर के उत्कृष्ट थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। समरदीप ने इस प्रतियोगिता में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए देश को स्वर्ण पदक दिलाकर न केवल भारत का, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम है।

पत्रिका
भोपाल, सोमवार, 27 अक्टूबर 2025

चौथी साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप रांची में

1500 मीटर की दौड़ में मध्यप्रदेश के अर्जुन वास्कले ने जीता स्वर्ण पदक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. रांची में 24 से 26 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली चौथी साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1500 मीटर दौड़ में अर्जुन वास्कले ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल के धावक अर्जुन वास्कले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3.54.58 सेकंड का समय निकाल कर 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। अर्जुन ने शुरू से ही अपनी रफ्तार बनाए रखी और फिनिश लाइन पार करते हुए भारतीय दल के लिए ... मेडल सुनिश्चित किया।

प्रतियोगिता के परिणाम

1500 मीटर दौड़ में शुरुआत से ही जबरदस्त रोमांच रहा। ट्रैक पर भारत, श्रीलंका, नेपाल और भूटान के धावकों के बीच कड़ी टक्कर रही। दौड़ अंतिम चरण में पहुंचते ही मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के धावक अर्जुन वास्कले ने अपनी गति बढ़ाई और 3 मिनट 54.58 सेकंड समय के साथ फिनिश लाइन पार कर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। दूसरे नंबर पर श्रीलंका के गल्लागे रुसीरु चथ ने 3.55.12 सेकंड में रजत पदक और उनके ही साथी रोजिदीन मोहामथु ने 3.55.95 सेकंड के

साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। अर्जुन की इस सफलता के पीछे मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल में मिला उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और अनुभवी कोचों का सतत मार्गदर्शन प्रमुख रहा है।